पाठ – १३ – सूरज

१.क) i) मिलकर पानी में कागज़ की नाव तैराओं।

ख) i) रानी

ii) बनाओ

ग) i) रिमझिम – रिमझिप बरसे पानी

ii) बारिश ना होने से खेती ठीक नही होगा और खाना भी बहुत कम होगा और खेती करने से खाना मिता है।

२.क) आज का आसमान साफ़ है।

ख) सूरज हमे आगे बरढ़ना सिखाता है।

ग) इस धरती पर बरी-बारी से छह ऋतुएँ आती है।

घ) बादल वर्षा ऋतु मे आता है।

3.क) थपेड़े

ख) इंद्रधनुष

ग) वर्षा

घ) निर्मल

4.क) सस्ती

ख) कई

ग) अशुभ

घ) छेड़

5.क) सर्दियों में सूरज जाने पर सबका मन दुख हो जाता है।

ख) धरती पर ऋतुएँ सूरज लाता है।

ग) सूरज हमें रोज भोर में जगाता है।

घ) वर्षा के बाद सूरज निकलते पर इंद्रधनुष दिखाता है।